वर्ष :: 33 अंक : 24
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता

झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका
अवश्य पढ़ें-

निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मैनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

बोकारो :: रविवार, 12 मार्च, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

बोकारो में झारखंड का सबसे बड़ा वनभूमि-घोटाला

समरथ के नहिं दोष गोसाईं... इलेक्ट्रोस्टील ने खोली जमीन हड़पने की नई राह

>> ईमानदार अधिकारी काटते रह गए कोर्ट-कचहरी के चक्कर और अतिक्रमित भूमि हो गई 'वैध', दोषी कौन?

>> ब्यूरोक्रेट्स, नेताओं और पत्रकारों को कृतज्ञ बना हड़पी जमीन, किसी को दी नौकरी; तो किसी की चल रहीं गाड़ियां

- शशांक शेखर -

बोकारो : गोस्वामी तुलसीदास रचित रामचरितमानस में वर्णित उक्तियां आज बोकारो में जमीन घोटाले के संदर्भ में बिल्कुल सत्य प्रतीत हो रही हैं। गोस्वामी तुलसीदास जी ने लिखा है कि 'समरथ के नहिं दोष गोसाईं'। यह बात आज यहां वेदांता-इलेक्ट्रोस्टील के मामले में बिल्कुल ही सही और सटीक साबित हो रही है। मालूम हो कि वन विभाग ने अधिसूचित एवं सीमांकित वन भूमि के अतिक्रमण के खिलाफ इलेक्ट्रोस्टील पर 50 से अधिक केस दर्ज किए। लेकिन, इस ताकतवर कम्पनी की सेहत पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। उल्टे वन विभाग के कर्मियों के साथ मारपीट की गई, कम्पनी के कर्मचारियों तथा उसके पाले गये पिट्ठुओं ने उसके विभाग की सैकड़ों एकड़ जमीन हड़प ली और तत्कालीन ईमानदार अधिकारियों ने सरकार को त्राहिमाम संदेश भेजकर वन विभाग की भूमि को लुटने से बचाने की गुहार लगाई, परन्तु आज शासन-प्रशासन पर काबिज लोगों ने ही राज्य सरकार के वन विभाग के अधिकारियों के ईमानदार प्रयासों की मिट्टी पलीद कर दी है। सरकार की जिस जमीन को अवैध कब्जे से बचाने के लिए विभाग के अधिकारी कोर्ट-कचहरी के चक्कर काटते रह गए, ऊपर तक पत्राचार करते रह गए, मोंटी-मोंटी संचिकाएं तैयार कर संबंधित अधिकारियों को भेजी गईं, ताकि वन विभाग की अतिक्रमित जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराया जा सके, वेकिन वही जमीन आज 'अवैध' से 'वैध' होने जा रही है। ऐसा इस कम्पनी ने सिर्फ अपनी 'ताकत' पर कर दिखाया है। लिहाजा, जिन अफसरों व कर्मियों ने उन दिनों सीमा पर युद्ध-भूमि में लड़ने वाले सिपाहियों की तरह लड़ाई लड़ी, उन्हें आज शर्मिन्दगी महसूस करनी पड़ रही है।

पता नहीं दोष किसका है, लेकिन जिस विभाग ने 15 वर्षों में 50 से अधिक केस किए, मुकदमे लड़े, ईमानदार अफसरों की फजीहत हुई, उन अधिकारियों को आज घुटने टेकने पड़े हैं। क्योकि, इलेक्ट्रोस्टील अपनी बाजी जीत गया और वन विभाग के अधिकारी अपनी लड़ाई हार गए। अब वेदांता ग्रुप की इलेक्ट्रोस्टील ने हड़पी गई 174.39 एकड़ भूमि को अवैध से वैध बनाने के लिए उसे वैधानिक जामा पहनाकर उसे अपने नाम बंदोबस्त कराने की तैयारी लगभग पूरी करवा ली है।

गौरतलब है कि जमीन हड़पने के लिए वेदांता-इलेक्ट्रो स्टील कंपनी ने ब्यूरोक्रेट्स, बोकारो स्टील के सेवानिवृत्त अधिकारियों, नेताओं के साथ-साथ मजदूर यूनियन के नेताओं और कुछ पत्रकारों तक को कृतज्ञ किया। क्योंकि, इतने बड़े जमीन घोटाले में आईएएस, आईपीएस अफसरों, मजदूर नेताओं और कुछ पत्रकारों की भी मदद ली गई। खुद को बचाने तथा माहौल को सकारात्मक बनाने के लिए ऐसे लोगों और उनके रिश्तेदारों को नौकरी देकर या उनके वाहनों के परिचालन का ठेका देकर उन्हें कृतज्ञ किया है। (आरटीआई के तहत संवाददाता को प्राप्त कागजात के अनुसार)। जाहिर है, ऐसे में ये लोग जानते हुए भी चुप रहे।

12 साल पहले की बात है, विभाग के एक अधिकारी ने जब इलेक्ट्रोस्टील के एक शीर्ष अधिकारी (मालिक के करीबी रिश्तेदार) से पूछा और कहा कि - 'आपने अवैध भूमि कब्जा कर रखी है, तो उस ईएसएल अफसर ने कहा कि आपने व्यापारी वर्ग की पहुंच नहीं देखी है। सभी सरकारों में व्यापारियों की ही चलती है, चाहे वह यूपीए की हो या एनडीए की। आने वाले दिनों में यह अवैध भूमि वैध होगी, इसकी मैं आपको गारंटी देता हूं।' इसे सत्यापित किया राज्य की यूपीए और एनडीए, दोनों की सरकारों ने। जब वर्तमान मंत्रिमंडल शपथ ग्रहण की स्थिति में थी, उससे 10 दिन पहले केंद्रीय विभाग ने इसकी फाइल क्लियर कर दी। न केवल 174.39 एकड़ वही हड़पी गई जमीन, बल्कि इसके अलावा भी 15 एकड़ सहित कुल 183.4 एकड़ अवैध भूमि को कम्पनी के नाम बंदोबस्त करने की सहमति दे दी गई। आश्चर्य तो इस बात की है कि कम्पनी ने बिना जमीन का मूल्यांकन किये ही वर्तमान मूल्य की लगभग 80 प्रतिशत राशि राज्य सरकार के खजाने में जमा भी कर दी है, जो यह दर्शाता है कि जमीन को हड़पने की साजिश वर्षों से चल रही थी।

अब सवाल यह उठता है कि यदि गलत का विरोध करने का नतीजा गलत ही होता है, तो भला कोई भी अधिकारी अब इसके खिलाफ कदम क्यों उठाएगा? जाहिर है, शायद कोई नहीं! इतिहास साक्षी है कि भारतीय स्वतंत्रता के बाद इतने बड़े पैमाने में वन विभाग की जमीन का घोटाला कभी नहीं हुआ है। यह काला अध्याय जुड़ा भी तो बोकारो से। झारखंड में दशकों से वन विभाग की जमीन पर रह रहे हजारों आदिवासी और गरीब परिवार चंद डिस्मिल जमीन के क्लीयरेंस के इंतजार में हैं, वहीं वेदांता इलेक्ट्रोस्टील ने कुछ ही दिनों में सारा 'खेल' कर लिया। उसने रोमन कहावत - 'आई केम, आई सॉ एंड आई कॉन्कर' (मैं आया, मैंने देखा और मैंने कब्जा कर लिया) को भी चरितार्थ किया है। सच्चाई क्या है, लोग जानते हैं। लेकिन, इस पूरे प्रकरण ने वन भूमि हड़पने की एक नई राह खोल दी है। यह बता दिया कि वन भूमि हड़पना हो, तो इलेक्ट्रोस्टील से सीखिए।

जमीन संबंधी धांधली का ही नतीजा रहा है कि अपनी स्थापना के बाद से ही इलेक्ट्रोस्टील विवादों में घिरा रहा। कंपनी की स्थापना के बाद उसी के द्वारा पोषित लोगों ने जमीन को कई छद्म नामों से बेचा, जिनके पास मालिकाना हक भी नहीं था, वे भी सौदेबाजी में शामिल हुए। दुःखद यह है कि वन विभाग के अधिकारी उपायुक्त से लेकर रजिस्ट्रार तक को लिखते रहे कि ये सारी रजिस्ट्रियां फर्जी हो रही हैं, इन्हें रोकी जाय। लेकिन, सारे के सारे अधिकारी खामोश रहे। ग्रामीण-रैयतों के साथ भी खूब लड़ाई हुई। धनबाद के तत्कालीन मासस विधायक अरूप चटर्जी ने भी लंबा विरोध किया, परंतु इन सबका एक ही नतीजा निकला- ढाक के तीन पात। उस समय के एक डीएसपी ने इस संवाददाता को बताया कि किसी भी हालत में अवैध जमीन पर ईएसएल का ही कब्जा होना है, क्योंकि इनकी 'ऊपर' **(शेष पेज- 7 पर)**

जमीन के मालिकाना हक का मामला आज भी लंबित

दरअसल, वन विभाग ने उक्त जमीन के मालिकाना हक को लेकर न्यायालय में टाइटल अपील सं0-33/2007 दायर कर रखी है। वन विभाग की ओर से मुकदमे की पैरवी कर रहे अधिवक्ता मो. इकबाल ने इस संबंध में पूछने पर बताया कि इस मामले में फिलहाल सुप्रीम कोर्ट से स्टे लगा हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि सुप्रीम कोर्ट में लंबित रहने के कारण बोकारो के जिला न्यायालय में इस मामले की सुनवाई स्थगित है। आगामी 18 अप्रैल, 2023 को जिला न्यायालय में इसकी तारीख मुकर्रर है, जबकि इसके पूर्व विगत 20 फरवरी को भी इस मामले में तारीख मुकर्रर थी। दूसरी ओर विधि विशेषज्ञों ने इस पूरे प्रकरण में आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा कि जब वन विभाग और इलेक्ट्रोस्टील के बीच जमीन के मालिकाना हक को लेकर जारी मुकदमा न्यायालय में लंबित है तो फिर इसी बीच उक्त जमीन इलेक्ट्रोस्टील को लीज पर बंदोबस्त करने की प्रक्रिया जारी रखने का क्या औचित्य है? जानकारों ने सवाल किया कि क्या इलेक्ट्रोस्टील ने यह मान लिया है कि उसके द्वारा हड़पी गई जमीन वन विभाग की ही है, जिसे वह झूठ का सहारा लेकर अपना बताता रहा है?

डीसी बोले- जमीन का करा रहे मूल्यांकन

मामले में पूछे जाने पर जिले के उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने कहा कि सरकारी निर्देश के आलोक में वेदांता इलेक्ट्रो स्टील की कुल जमीन का मूल्यांकन किया जा रहा है। यह फाइल अपर समाहर्ता को सुपुर्द कर दी गई है, जिनकी रिपोर्ट का इंतजार है। इस संबंध में फिलहाल विभागीय स्तर पर काम चल रहा है। सूत्रों के अनुसार उपायुक्त, बोकारो के पत्रांक-3206/रा0, दिनांक-21.12.2022 के प्रसंग में राज्य सरकार के राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के पत्रांक-5/स0भू0 बोकारो (ईएसएल)-80/16 237 (5)/रा0/, दिनांक- 20 जनवरी, 2023 के द्वारा विभागीय पत्रांक-4321/रा0, दिनांक-07.12.2022 तथा वर्ष 2018 में विभागीय संकल्प सं0- 48/रा0, दिनांक-03.01.2017 के आलोक में उपायुक्त, बोकारो को इलेक्ट्रोस्टील लिमिटेड द्वारा अवैध रूप से धारित भूमि की लीज बंदोबस्ती हेतु अद्यतन बाजार दर पर उक्त जमीन का मूल्यांकन करवाने का निर्देश दिया गया है।

जिसने भी गलती की, उस पर हो कानूनी कार्रवाई : दीपक प्रकाश

इस मामले में पूछे जाने पर भारतीय जनता पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने कहा कि 'राजा हो या रंक, कानून सबके लिए एक है।' उन्होंने कहा- अगर किसी ने भी गलती की है, चाहे वह दीपक प्रकाश हो या कोई उद्योगपति, जिस किसी ने गलती की है और कानून का उल्लंघन किया है तो उस पर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

– संपादकीय –

खतरे में होली की समरसता

भारत विविधताओं का देश है। यहां की सांस्कृतिक विविधता ही इसकी धरोहर है। हर राज्य, हर क्षेत्र की अपनी पारंपरिक और सांस्कृतिक पहचान है और पर्व-त्योहारों के भी अनेक रंग हैं। लेकिन, इन त्योहारों में से एक होली ही ऐसा पर्व है, जिसका रंग पूरे भारतवर्ष में छाता है और सभी इसे अपनी-अपनी परंपरा के हिसाब से मनाते हैं। रंगों में सराबोर करने से लेकर फूलों की होली और लठमार होली तक जैसे अनेक तरीकों से यह त्योहार हंसी, उमंग और उल्लास के साथ मनाया जाता रहा है। यही हमारे देश की परंपरा भी रही है। सभी का एक ही संदेश है सौहार्द। यह त्योहार आपसी भाईचारा, एकता, प्रेम, सौहार्द और सामाजिक समरसता का संदेश देता है। यही इस पर्व का अनुपम सौंदर्य है। परंतु, दुख की बात तो यह है कि बदलते समय के साथ हमारे हर-पर्व त्योहारों में विकृति आती जा रही है और होली विकृतियों से सबसे ज्यादा प्रभावित है। गिले-शिकवे भुलाकर दुश्मनों को भी गले लगाने का यह त्योहार आज अपने ध्येय के विपरीत दिशा में बढ़ता दिख रहा है। नशाखोरी और विकृत व क्रूर मानसिकता इसका सबसे प्रमुख कारण माना जा सकता है। जिस दिन शत्रुओं को भी गले लगाने की सीख हमें बचपन से ही मिलती रही है, उस दिन को कुछ लोग दुश्मनी का बदला निकालने, खून-खराबा, हिंसा और नशे में धुत्त हो दबंगई, अश्लीलता फैलाने जैसे कुत्सित कार्यों का अवसर मानने लगे हैं। घृणित मानसिकता, क्रूर व हिंसात्मक प्रवृत्ति वाले लोग होली की सतरंगी खुशियां फैलाने की बजाय खून की होली खेलने लगे हैं। होली पर गोली और गाली का दौर शुरू हो जाता है। इनसे जुड़ी खबरें हम विगत कुछ वर्षों से हर बार होली के बाद अखबारों में देखते ही हैं। इस बार भी देखी गई। जगह-जगह मारपीट, फायरिंग, हत्या तक के मामले सामने आये। छोटे से शहर बोकारो में ही होली पर कई हिंसात्मक घटनाएं सामने आईं। कहीं सरेआम गोली चलाई, कहीं कार की खिड़की में युवक को फंसाकर एक किलोमीटर कर घसीटा गया, कहीं गाली-गलौज का विरोध करने पर लाठी-तलवार से हमला किया, तो कहीं हत्या तक कर दी। होली में नशाखोरी का दूसरा सबसे बड़ा नुकसान सड़क हादसों में होने वाले जान-माल का है। बेकाबू रफ्तार में सड़क पर बाइक और कार दौड़ाना, आने-जाने वालों को बेमतलब पागलों की तरह गालियां देना और आगे चलकर खुद ही अनियंत्रित होकर रफ्तार के कहर का शिकार हो जाना या दूसरों की जान ले लेना। जाहिर है, ऐसी होली के बाद वह शख्स तो अपनी जान गवां ही बैठता है, इसके साथ उसके परिजन भी रोते-बिलखते पीछे छूट जाते हैं। यह अत्यंत दुःखद और विचारणीय है। होली पर पहले जहां लोग सौहार्द-भावना के साथ रंग-गुलाल लेकर गलियों में टोलियां बनाकर घूमते थे, एक-दूसरे से मिलते थे, उन्हें रंगते थे, आज हालात बदलते जा रहे हैं। फटे कपड़ों में हाथों में खुलआम शराब की बोतल लिए घूमते, सिगरेट के धुएं का छल्ला उड़ाते और मुंह से भद्दी-भद्दी गालियां छोड़ते लोगों का गिरोह आज घूमता है। यही वजह है कि होली के दिन महिलाएं और सभ्य लोग अपने घर से कहीं बाहर निकलना नहीं चाहते। क्या पता वे कब, कहां किसके साथ मारपीट या अन्य अप्रिय घटना को अंजाम दे दें। दिल्ली में जापान की एक युवती के साथ होली के बहाने जिस प्रकार अश्लील हरकतें की गईं, वह अपने-आप में शर्मनाक है। हालांकि, सभी लोग ऐसे नहीं हैं। आज भी कई जगहों पर मित्रवत व्यवहार और समरसता का माहौल देखने को मिलता है, परंतु कुछ असामाजिक तत्वों ने खुशियों के इस त्योहार के मायने को बदलकर रख दिया है। होली रंग-बिरंग रंगों से खेलने, जीवन में हर रस का आनंद लेने और भांति-भांति के पूए-पकवान खाने का दिन और हितैषियों, शुभचिंतकों, इष्टमित्रों से मिलने-जुलने का सुअवसर है। आध्यात्मिक और साधनात्मक दृष्टि से भी इसकी अपनी विशेष महत्ता है। सभी जानते हैं होली मनाने के पीछे प्रह्लाद-होलिका, शिव-पार्वती की होली सहित अन्य पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। अभी भी समय है, हम अपनी इस पारंपरिक विरासत को अक्षुण्ण बनाए रखने की दिशा में आगे आएं। सामाजिक स्तर पर जहां इसके प्रति जहां जागरुकता लाने की आवश्यकता है, वहीं सरकार व प्रशासनिक स्तर से भी कई ठोस उपाय करने होंगे। वैसे लोग, जो होली के रंग को अपनी वैमनस्यता से बदरंग कर रहे हैं, उनके खिलाफ सख्ती से पेश आना होगा, तभी हम होली के उत्साह को जीवंत बनाए रख सकते हैं।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

अपराध को 'मिट्टी में मिलाने' की मिसाल पेश कर रहा यूपी

- एस. के. झा-

अपराध और राजनीति का पुराना नाता रहा है। राजनीति के लिए अपराध का सहारा और अपराध को राजनीति का संरक्षण, यह सर्वविदित है। परंतु, इसमें आमजन कहीं न कहीं दहशत और शोषण का शिकार होते हैं। अपराध किसी भी क्षेत्र के अमन-चैन का दुश्मन है और विकास में बाधक भी। राजनीतिक रसूख के बल पर बाहुबली नेता बेखौफ अपराध करवा देते हैं और सिस्टम उनका कुछ बिगाड़ भी नहीं पाता। यह सिलसिला हमारे देश में दशकों से चलता आ रहा है। लेकिन, इस पुरानी परिपाटी को मिट्टी में मिटाने की मुहिम शुरू की है उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने। जिस तरह उन्होंने यूपी विधानसभा में सबके सामने गुंडागर्दी करनेवाले माफियाओं को मिट्टी में मिला देने का ऐलान किया था, उसे आज वह चरितार्थ भी कर रहे हैं। राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल को दिनदहाड़े गोली मारने वाले आरोपियों पर उन्होंने शिकंजा कसना शुरू कर दिया। प्रयागराज में उमेश पाल हत्याकांड से जुड़े एक और आरोपी के मारे जाने के बाद एक बार फिर सियासी बयानबाजियां शुरू हो गई हैं। इस हत्याकांड से जुड़ा यह दूसरा आरोपी था, जो पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया। दरअसल, किसी भी सभ्य समाज में अपराधियों की कोई जगह नहीं होनी चाहिए और इसे सुनिश्चित करना हर कल्याणकारी सरकार का दायित्व है। इस लिहाज से उत्तर प्रदेश पुलिस ने निश्चित रूप से तत्परता दिखाई और राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल को दिनदहाड़े गोली मारने वाले आरोपियों पर नकेल कसना शुरू कर दिया। उसी कोशिश में वे दोनों मारे भी गए।

चूंकि राजू पाल और उमेश पाल की हत्या के पीछे की वजह राजनीतिक रंजिश बताई जाती है, इसलिए भी इन मुठभेड़ों को राजनीतिक रंग देने में आसानी हो गई है, मगर सवाल है कि जिस तरह यूपी में अपराधियों ने आम लोगों को दहशत में जीने पर मजबूर किया है, उसमें उन्हें राजनीतिक संरक्षण में क्यों फलने-फूलने दिया जाना चाहिए? छिपी बात नहीं है कि आपराधिक प्रवृत्ति के बहुत सारे लोग कानूनी संरक्षण पाने के मकसद से किसी न किसी राजनीतिक दल का दामन थाम लेते और फिर न सिर्फ निर्भय होकर घूमते, बल्कि और दहशत फैलाना शुरू कर देते हैं। अच्छी बात है कि उत्तर प्रदेश पुलिस ऐसे लोगों के दहशत को खत्म करने का प्रयास कर रही है।

यह अब छिपी बात नहीं है कि राजू पाल की हत्या इसलिए करा दी गई थी कि उन्होंने बाहुबली नेता अतीक अहमद को चुनौती दी और उनके निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव जीत गए थे। राजू पाल के परिजनों ने प्राथमिकी में स्पष्ट आरोप लगाया था कि अतीक अहमद ने ही राजू पाल की हत्या कराई। उस घटना के इकलौते गवाह उमेश पाल थे। उनकी हत्या में भी अतीक अहमद के लोगों का ही हाथ बताया गया। जो भी अपराध की दुनिया से थोड़े-बहुत परिचित हैं, वे अतीक अहमद की दबंगई से अच्छी तरह वाकिफ हैं, मगर अतीक अपने राजनीतिक रसूख की वजह से कानून की पकड़ से बचे रहे। अब यूपी सरकार ने राजनीतिक संरक्षण में रहते हुए कानून के चंगुल से बचते आ रहे ऐसे तमाम आपराधिक छवि के लोगों के खिलाफ शिकंजा कसना शुरू किया है, तो आम लोगों ने स्वाभाविक ही राहत की सांस ली है। हालांकि, पॉलिटिक्स तो पॉलिटिक्स है, सत्ता पक्ष के राजनीतिक विरोधियों को यह कड़ाई रास नहीं आ रही और ऐसी कार्रवाइयों के खिलाफ कोई न कोई तर्क जुटाने का प्रयास करते देखे जाते हैं।

यह ठीक है कि पुलिस को किसी अपराधी को जान से मारने का अधिकार नहीं है, उसकी कुशलता इस बात में मानी जाती है कि वह अपराधी को पकड़ कर अदालत के सामने पेश करे, लेकिन जब कोई अपराधी पुलिस पर गोलियां दागनी शुरू कर दे, तो बचाव में पुलिस को भी गोलियां चलानी ही पड़ती हैं। उमेश पाल हत्याकांड में आरोपियों पर शिकंजा कसने के दौरान भी यही हुआ। इससे अपराधियों में यह संदेश बहुत कड़े ढंग से गया है कि ऐसी किसी भी हरकत को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। निश्चित रूप से इससे आम लोगों का भी पुलिस के अपराधियों पर नकेल कसने की प्रतिबद्धता को लेकर भरोसा बढ़ा है। पुलिस-प्रशासन के प्रति खोए विश्वास को फिर से स्थापित करने के लिए यह जरूरी भी है। तभी समाज में शांति की स्थापना हो सकेगी। निश्चय ही ऐसी सख्ती के दूरगामी परिणाम साबित होंगे और आपराधिक प्रवृत्ति के अन्य लोग कुछ भी गलत हरकत करने से पहले सौ बार सोचेंगे।

इस दिशा में राजनीतिज्ञों को भी थोड़ी ईमानदारी दिखानी होगी। स्वार्थयुक्त राजनीति से परे हटकर स्वच्छ राजनीति वे करेंगे, तो ही समाज और राष्ट्र के विकास में सही मायने में भागीदार बन सकेंगे और अच्छे नेता कहलाएंगे।

नेता केर नेत

– शम्भुनाथ–

ई नहि बूझल राजनीति केर,
स्तर एत्ते निच्चा खसतै।
दलगत जीवन एते मोटेतै,
निकलि न ओहि दलदल सँ हेतै।।

अपशब्दे टा भरल तूणीरे
रहि रहि ताकि के वाण चलौतै।
कतबहु लतियाओल ओ जेतै
गत्तर कोनो लाज नञि हेतै।।

देशक गरिमा रहउ जाउ बरु
बस कुरसी पर नजरि गड़ौतै।
जनता सगरो त्राहिमाम मे
अपने मात्र मलाई खेतै।।

पढल-लिखल मूरख बनि रहतै
ज्ञानी औंठा छाप कहौतै।
आतंकी बंचक व्यभिचारी
न्यायक हित सब नीति बनौतै।।

अप्पन सत्ता सुख केर संगहि
सात जनम ले संग्रह करतै।
चोरि धरेने जोरे बजतै
कहि अन्याय गोहारि लगौतै।।

जाति धरम मे भेद देखा के
भाई भाई केँ खूब लड़ौतै।
अपने बाजल शब्द के छन मे
पलटि अपर के मूर्ख बनौतै।।

औ नेतागण मूर्ख नै जनता
नीक बेजाय ई सब बूझै छै।
अपन कएल किरदानी मे फँसि
आगू केर नै बाट सूझै छै।।

एत्ते निच्चाँ नै उतरी जे
पुनः उठै केर रहय न होश।
भरि रहलै अछि जन जन मे
उचित दण्ड देब' ले जोश ।।

रंगोत्सव का छाया उमंग, छोटे-बड़े सभी रहे मतंग

संवाददाता

बोकारो : रंग, प्रेम, सौहार्द व सद्भाव का सबसे बड़ा प्रतीक माने जाने वाली होली बोकारो, उपशहर चास सहित आसपास के इलाके में पूरे धूमधाम के साथ सोल्लास मनायी गयी। शहर में चारों तरफ होलियाना मस्ती का उमंग छाया रहा और रंगों की इस खुशी के उमंग में छोटे, बड़े, सभी मतंग बने रहे। क्या खास, क्या आम, हर किसी ने तमाम भेदभाव भुलाकर एक-दूसरे को रंग लगाये और होली की खुशियां बांटीं। दिनभर डीजे म्यूजिक की होलियाना गीतों की धमक के बीच रंग-गुलाल खेलने के दौर देर शाम तक चलता रहा। सुबह से ही सभी दिशाओं में होली पर बच्चों व युवाओं की हुल्लड़बाजी गूंजनी शुरू हो गयी। गली-मुहल्लो में बच्चों, युवाओं के साथ-साथ बड़े-बुजुर्गों और महिलाओं ने भी अपनी टोलियां लेकर ड्रम, बाल्टी बजाते हुए घर-घर घूमकर एक-दूसरे को रंगों में सराबोर करने का सिलसिला शुरू कर दिया, जो दोपहर तक चलता रहा। होली पर लोगों का अपने रिश्तेदारों, इष्टमित्रों के घर जाकर भी रंग लगाने के साथ-साथ होली विशेष पूआ, दहीवड़ा आदि पकवान खाने-खिलाने का क्रम भी चलता रहा। होली पर बोकारो में पुलिस व प्रशासन के आला अधिकारियों ने भी खूब मस्ती की। एसपी आवास में आयोजित मिलन समारोह खास रहा। होली गीतों पर तमाम अधिकारियों ने छोटे-बड़े, सिपाही-हवलदार, डीसी, एसपी आदि के हर भेदभाव भुलाकर संग नाचे-गाये, एक-दूसरे को रंग-अबीर लगाये। रंगों में सराबोर एसपी को जवानों ने कंधे पर उठाया और सबने एक साथ मिलकर इस पर्व का आनंद लिया। इस अवसर पर जगह-जगह गीत-संगीत के भी कार्यक्रम हुए।

सौहार्द-समरसता ही होली का सौंदर्य : डॉ. गंगवार

डीपीएस बोकारो में ब्रज-होली की तर्ज पर होली मिलन समारोह का विशेष आयोजन किया गया। इस समारोह की खासियत यह रही कि शिक्षकों ने रासायनिक रंगों की बजाय पर्यावरण के अनुकूल फूलों की पंखुड़ियों का इस्तेमाल किया। इस अवसर पर गीत-संगीत और नृत्य में शिक्षकों ने जमकर अपनी प्रतिभा दिखाई। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने भी शिक्षकों की प्रस्तुतियों में संग देकर उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा कि यह त्योहार आपसी भाईचारा, एकता, प्रेम, सौहार्द और सामाजिक समरसता का संदेश देता है। यही इस पर्व का अनुपम सौंदर्य है।

मिथिला मंच का होली मिलन

मिथिला मंच, चीराचास, बोकारो द्वारा आशालता विद्यालय प्रांगण में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें श्याम मंडली ग्रुप के कलाकारों एवं स्थानीय कलाकारो ने गीत प्रस्तुत किए। मौके पर कृष्ण चन्द्र झा, रविन्द्र झा, भूषण पाठक, विजय कुमार मिश्र अंजू, ऋषिकेश चौधरी, शैलेन्द्र कुमार मिश्र, बालकृष्ण झा, गणेश झा, सुशील ठाकुर, भ्रमरजीत, कमलेश, राम बाबू, सुदीप ठाकुर, राजा, कमलाकांत, प्रमोद, केके मिश्रा, विवेक, भवनाथ मिश्रा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

तेरापंथ समाज का रंगोत्सव

तेरापंथ समाज के होली मिलन में जुटे कई लोग

नगर के सेक्टर- 2 स्थित जैन मिलन केन्द्र में तेरापंथ समाज का रंगोत्सव समारोह धूमधाम से संपन्न हुआ। सभी लोगों ने एक-दूसरे को रंगों में सराबोर कर वहीं होली खेली और जीवन में प्रेम, सौहार्द और सद्भावना का सबरंग घोलने पर बल दिया। मौके पर शांतिलाल, मदन, गजराज, जयचंद, विनोद, माणिकचंद, शशि बांठिया, शशि बोथरा, सरोज, सुरेश बोथरा आदि मौजूद रहे।

अग्रवाल कल्याण महासभा का होली मिलन आयोजित

अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के तत्वाधान में जरीडीह बाजार स्थित अग्रवाल भवन में बड़ी ही धूमधाम से होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने कहा कि होली भाईचारे का पर्व है। मौके पर छीतरमल अग्रवाल, कृष्ण कुमार चांडक, मनोज अग्रवाल, विनोद चौरसिया, राजू, आध्या, शिव प्रकाश पांडे, मोहन सोनी, अनिल मेहता, रितेश कोठारी, रमेश मेहता, इंदर सिंह, इंद्रजीत सिंह, शैलेश बरनवाल, शरद अग्रवाल, नीरज कुमार, अजीत आदि मौजूद रहे।

वसुंधरा परिवार - महिलाओं-बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

सेक्टर-3बी में वसुंधरा परिवार की ओर से होली मिलन सह रंगोत्सव का आयोजन किया गया। होली की पूर्व संध्या आयोजित इस कार्यक्रम में वसुंधरा गली के सभी आवासधारी शामिल हुए। महिलाओं और बच्चों ने खास तौर से इसमें अपनी कलात्मक प्रतिभा का परिचय दिया। मौके पर वीके झा, अर्जुन प्रसाद सिंह, धनंजय चक्रवर्ती, बालेश्वर सिंह, अंगद सिंह, गिरधर महतो, बिप्लव दास, सतीश सिंह, तुलसी, विजय कुमार सिंह, संजय गोपाल, दीपक महतो, अंकिता चक्रवर्ती, विनोद कुमार, मीना राज, आशा रानी, लक्ष्मी देवी, संध्या सोनी, अनीता सिंह, शशि आदि मौजूद रहे।

परिषद ने फगुआ गीतों के साथ मनाया होली मिलन

मिथिला सांस्कृतिक परिषद, बोकारो का होली मिलन समारोह सेक्टर 4 स्थित परिषद द्वारा संचालित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल में सोल्लास मनाया गया। अध्यक्ष अनिल कुमार, उपाध्यक्षद्वय अनिमेष कुमार झा, राजेन्द्र कुमार, महासचिव अविनाश कुमार झा, सांस्कृतिक कार्यक्रम निर्देशक शंभु झा, कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार झा आदि ने सभी को होली की शुभकामनाएं दी। मौके पर गणेश चन्द्र झा, अमरेन्द्र कुमार झा, केसी झा, सुनील मोहन ठाकुर, समरेन्द्र झा, जय प्रकाश चौधरी, अरुण पाठक, नीरज चौधरी, विजय कुमार झा, गंगेश पाठक, अविनाश अवि, मिहिर झा राजू, पीके झा चंदन, शैलेन्द्र कुमार मिश्र, विजय मिश्र, सुनील चौधरी, विश्वनाथ झा, सुदीप ठाकुर, श्रवण कुमार झा, डॉ यूसी झा, भूषण पाठक, उमेश कुमार झा, विश्वनाथ गोस्वामी, कालीकांत मिश्र, बाल कृष्ण झा, विद्यानंद चौधरी, चंद्रकांत मिश्र, मिहिर झा, कमलेश मिश्र आदि मौजूद रहे।

निर्देश आरडीएसएस की पहली बैठक में चरणबद्ध कार्य करने पर मंथन, घर-घर स्मार्ट मीटर लगाने, जर्जर तार व पोल दुरुस्त करने सहित होंगे कई काम

आनेवाली गर्मी के मद्देनजर गुणवत्तापूर्ण विद्युतापूर्ति करें सुनिश्चित : सांसद

संवाददाता

बोकारो : समाहरणालय स्थित सभागार में शनिवार को रिफॉर्म बेस्ट एंड रिजल्ट लिंक रिवैंपड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) से संबंधित पहली बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता धनबाद लोकसभा क्षेत्र के सांसद पीएन सिंह ने किया। मौके पर बोकारो विधायक बिरंची नारायण, गोमिया विधायक प्रो. लंबोदर महतो, डीसी कुलदीप चौधरी, जिला परिषद अध्यक्ष सुनीता देवी, डीडीसी कीर्तिश्री जी., विभागीय महाप्रबंधक हरेंद्र कुमार सिंह, विधायक प्रतिनिधि (चंदनकियारी) जयदीप रॉय, विधायक प्रतिनिधि (बेरमो) बिनोद महतो, विद्युत अधीक्षण अभियंता चास डीएन साहू आदि उपस्थित थे। मौके पर उपायुक्त चौधरी ने समिति सदस्यों को ऊर्जा मंत्रालय द्वारा शुरू की गई नई योजना आरडीएसएस निगरानी एवं अनुश्रवण को लेकर गठित कमेटी एवं योजना के संबंध में संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने कमेटी अध्यक्ष एवं सदस्यों को आश्वस्त किया कि योजना का क्रियान्वयन ऊर्जा मंत्रालय द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुरूप किया जाएगा।

जिले में योजना के तहत चरणवार कार्य कर बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता को बेहतर किया जाएगा।

मौके पर उपस्थित विद्युत अधीक्षण अभियंता चास श्री साहू ने आरडीएसएस योजना के संबंध में विस्तार से कमेटी सदस्यों को अवगत कराया। इसके तहत किए जाने वाले कार्यों क्रमशः जर्जर पोल और तार के बदले नये विद्युत तार अथवा पोल के अधिष्ठापन, घर-घर स्मार्ट मीटर का अधिष्ठापन, विद्युत आपूर्ति में हो रहें क्षति को कम करने, गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने, खराब ट्रांसफार्मरों को लगाने, छूटे हुए एवं नये टोलों तक बिजली पहुंचाने आदि के संबंध में बताया। कहा कि योजना के तहत तीन चरणों में इस कार्य को पूरा किया जाएगा।

बैठक में सांसद सह कमेटी अध्यक्ष श्री सिंह ने अधिकारियों को जिले में गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा। जिले में जो पावरग्रिड एवं सब स्टेशन निर्माण से संबंधित कार्य प्रगति पर हैं, उसे जल्द पूरा करने, खराब झ्र जर्जर पोल, ट्रांसफार्मर, तार को बदलने, ससमय बिजली विपत्र उपभोक्ताओं को जारी करने आदि का निर्देश दिया। उन्होंने कमेटी की बैठक प्रत्येक तीन माह में आयोजित करने, जिसमें आरडीएसएस कार्य प्रगति व शिकायतों पर कार्रवाई की समीक्षा की जाएगी। समीक्षा के क्रम में बोकारो विधायक ने जैनामोड़ में बिजली विपत्र जमा करने के बाद भी एक उपभोक्ता पर प्राथमिकी दर्ज कराने का मामला उठाया, जिस पर सांसद ने उपायुक्त को एडीएम रैंक के पदाधिकारी से मामले की जांच कराते हुए अगली बैठक में जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा।

बैठक में गर्मी के मौसम को देखते हुए बिजली आपूर्ति बेहतर रहे, इस पर भी चर्चा की गई। जिस पर विभागीय अभियंताओं द्वारा बताया गया कि चार ट्रॉली ट्रांसफार्मर इस बार रखा गया है। ट्रांसफार्मर में खराबी आने पर तुरंत ट्रॉली ट्रांसफार्मर से बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, खराब ट्रांसफार्मर की जल्द मरम्मत होगी। बैठक में विपत्र, लो-वोलटेज आदि के संबंध में भी बात रखी गई, जिस पर डीसी ने कार्यपालक अभियंताओं को मामले में गंभीरता से सकारात्मक पहल करने का निर्देश दिया। मौके पर कार्यपालक अभियंता एसबी तिवारी, समीर कुमार व उमेश कुमार राम सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अब आरपार की लड़ाई तय

अपने अधिकार को ले झारखंड आंदोलनकारियों ने बनाई रणनीति

संवाददाता

बोकारो : झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा एवं झारखंड बचाव मोर्चा, बोकारो की संयुक्त बैठक तुपकाडीह में भरत महतो की अध्यक्षता में हुई। इस अवसर पर आंदोलनकारियों ने उनके अधिकारों के प्रति राज्य सरकार की उपेक्षा पर गहरी नाराजगी जाहिर की। साथ ही, इसके लिए संघर्ष की रणनीति तैयार की। बैठक को संबोधित करते हुए झारखण्ड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष विदेशी महतो ने कहा कि अलग राज्य आन्दोलनकारियों को झारखंड अलग राज्य होने के 23 वर्ष के बाद भी जो मान-सम्मान, हक-अधिकार मिलना चाहिए था, वह आज तक नहीं मिल पाया है। यह आन्दोलनकारियों के लिए अपमान से कम नहीं। अलग राज्य होने के बाद से वर्तमान तक जितनी भी सरकारें बनीं, सभी ने झारखंड ने लूटखंड बना दिया है। सरकार में शामिल लोग एवं अधिकारी मिलकर झारखंड को लूटने में लगे हुए हैं। अब झारखंडवासियों एवं आन्दोलनकारियों को सचेत होते हुए झारखंड को बचाने के लिए आगे आना होगा।

एकजुट हो जोरदार आंदोलन की जरूरत : राजदेव

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा बोकारो जिला के प्रधान महासचिव राजदेव माहथा ने कहा कि अब झारखण्ड के अलग-अलग विभाजित अलग राज्य आन्दोलनकारियों के संगठनों को एक मंच पर आकर जोरदार रूप से आन्दोलन एवं जिस तरह से अलग राज्य के लिए आर्थिक नाकेबंदी की गई थी, उसी तरह से और एक उग्र आंदोलन करने की जरूरत है। हम सभी अलग राज्य आन्दोलनकारी अलग-अलग मंच पर रहकर मान-सम्मान, पहचान, हक अधिकार पाने की जंग नहीं जीत सकते हैं। हम सभी को एक मंच पर आकर ही सफलता को हासिल कर सकते हैं।

चुनाव में सिखाएंगे सबक : गोराई

मोर्चा के जिला संयोजक हाबुलाल गोराईं ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव- 2024 में पक्ष-विपक्ष के विधायकों को चुनाव के समय सवक सिखाने का काम आन्दोलनकारी करेंगे। हम प्रदेश सरकार से भीख नहीं मांगते हैं-हम अपना वाजिब मांग मान-सम्मान, पहचान,प्रति माह-प्रति आंदोलनकारी सभी को समान रूप से 30,000 रुपया पेंशन और हक-अधिकार चाहिए। मौके पर जिला उपाध्यक्ष डोमन मिश्रा, मणिलाल मांझी, देवशरण मुर्मू, ठाकुर राम राम महतो, ललित नारायण, सहदेव महतो, भैरव महतो, गोपीनाथ मुर्मू, अब्दुल रब अख्तर, शिवनाथ मांझी, वीरेंद्र महतो, अनिल महतो, गणेश मुर्मू, चैतलाल मांझी, पार्वती देवी, उलेश्वरी हेम्ब्रम आदि मौजूद थे।

क्षेत्र के विकास के लिए डीवीसी प्रबंधन हमेशा सजग : पांडेय

चन्द्रपुरा : दामोदर घाटी निगम चंद्रपुरा का विद्युत केंद्र प्रबंधन व डीवीसी निगमित सामाजिक दायित्व विभाग द्वारा यहां के स्टेशन रोड नाला व जय बजरंगबली मंदिर के पास स्थापित सोलर लाइट का उद्घाटन मुख्य अभियंता एवं परियोजना प्रधान सुनील कुमार पांडेय और उप महाप्रबंधक प्रशासन टी टी दास ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर श्री पांडेय ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए निगमित सामाजिक दायित्व के तहत डीवीसी प्रबंधन प्रयासरत है। क्षेत्र के लोगों की सुविधा के लिए हर संभव विकास कार्य किये जा रहे हैं। इस कार्य को और गति दी जाएगी। वरीय प्रमंडलीय अभियंता और डीवीसी के निगमित सामाजिक दायित्व विभाग के प्रभारी प्रबंधक प्रमोद कुमार झा ने कहा कि डीवीसी सीएसआर के अंतर्गत आने वाले गांव के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इस तरह के और भी सोलर लाइट क्षेत्र में लगाए जाएंगे। इस अवसर पर वरीय प्रमंडलीय अभियंता राजीव रंजन, चंद्रपुरा पंचायत के मुखिया अनुग्रह नारायण सिंह, जिला परिषद सदस्य श्रीमती नीतू सिंह, कविंद्र नाथ सिंह, प्रफुल्ल भंडारी आदि उपस्थित थे।

प्रोत्साहन बेहतर काम करने वाली ग्राम संगठन व सखी मंडल की महिलाएं सम्मानित

समाज को सशक्त बनाने में महिलाओं की है महत्वपूर्ण भूमिका : डॉ. लंबोदर

संवाददाता

गोमिया : गोमिया प्रखंड मुख्यालय अवस्थित बहुउद्देशीय भवन में शनिवार को जेएसएलपीएस की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सशक्त महिला समृद्ध गांव गोमिया आजीविका महिला संकुल संगठन ने कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके तहत संचालित सभी ग्राम संगठन व सखी मंडल की महिलाएं शरीक हुईं। इस अवसर पर समूह में बेहतर काम करने वाली महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि गोमिया विधायक डॉ. लंबोदर महतो व जिला परिषद सदस्य डॉ. सुरेंद्र राज, प्रखंड प्रमुख प्रमिला चौड़े ने उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम की डॉ. महतो, जिप सदस्य डॉ. सुरेंद्र, प्रखंड प्रमुख प्रमिला चौड़े तथा बीडीओ कपिल कुमार महतो ने संयुक्त रूप ने दीप प्रज्वलित कर किया। सखी मंडल की दीदियों ने पुष्पगुच्छ देकर व स्वागत गीत गाकर अतिथियों का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि डॉ, लंबोदर ने कहा कि महिलाएं आज किसी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। घर-परिवार गांव दूरदराज इलाकों में भी सकारात्मक वातावरण निभाने वाली महिलाओं की भूमिका अहम रहती है। शैक्षणिक, स्वास्थ्य, सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त समाज के निर्माण में महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। झारखंड में कई लाख महिलाएं जेएसएलपीएस के माध्यम से स्वरोजगार से जुड़ी हैं। महिलाओं की जागरूकता के कारण ही पंचायत चुनाव में महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण प्राप्त हुआ। वैसे ही हर क्षेत्र में विधानसभा-लोकसभा में भी महिला जागरूक होंगी तो वहां पर भी 50 प्रतिशत आरक्षण मिल जाएगा। विधायक ने बताया कि वह क्षेत्र में महिला भवन, महिला प्रशिक्षण केंद्र हेतु प्रयासरत हैं। मौके पर सामुदायिक समन्वयक अम्बुज कुमार ने आजीविका सखी मंडल का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। मंच का संचालन आशा देवी ने किया। अध्यक्ष बबीता देवी, बीएपी सावित्री देवी, सचिव लक्ष्मी देवी, जनप्रतिनिधि विनोद विश्वकर्मा, बलराम रजक, शान्ति देवी, अंशु कुमारी, रीना देवी पंचायत समिति धनेश्वरी देवी, सुशीला देवी, उर्मिला देवी, शालिनी भारती, ममता आदि मौजूद रहीं।

हफ्ते की हलचल

बाल अधिकार जागरुकता अभियान चलाया गया

बोकारो : बेरमो थानांतर्गत राजकीय मध्य विद्यालय, ढोरी और राजकीय मध्य विद्यालय जरीडीह बस्ती में बाल अधिकार कार्यकर्ता सह मनोवैज्ञानिक डॉ. प्रभाकर कुमार द्वारा विद्यालय के बच्चों, विद्यालय प्रबंधन व सभी हितधारकों-शिक्षक, सुरक्षा गार्ड व अन्य के साथ बाल अधिकार संरक्षण जागरुकता अभियान चलाया गया। डॉ. प्रभाकर ने बच्चों की कानून की परिभाषा बताते हुए उनके अधिकारों की जानकारी दी। कहा कि बच्चों में अपने अधिकारों की जानकारी उनके समग्र और सर्वांगीण विकास में सहायक है। शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक या यौनिक स्तर पर किया जाने वाला दुर्व्यवहार बाल दुर्व्यवहार कहलाता है। आजकल बाल शोषण की घटनाओं मे अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। जागरूकता के माध्यम से हम बच्चों के अधिकारों का संरक्षण कर सकते हैं। बच्चों के साथ-साथ विद्यालय प्रबंधन के सभी हितधारकों को बच्चों के सभी कानूनों के अद्यतन जानकारी रहने की जरूरत है। उन्होंने पोक्सो एक्ट, गुड टच, बैड टच, आत्मरक्षा के तरीके आदि की भी विस्तार से जानकारी दी। अंत में बच्चों से बतलाये गए विषयों से संदर्भित प्रश्न पूछे गए और उन्हें उपहार देकर प्रोत्साहित किया गया। मौके पर प्रधानाध्यापक महादेव दास, शिक्षक प्रमोद कुमार, मो. अफरोज आलम, कल्याणजी तिवारी, श्यामलाल उरांव, आर. कुमारी, उर्मिला कुमारी, किरण कुमारी, अर्जुन रविदास, विक्की कुमार आदि उपस्थित रहे।

केरलवासियों ने श्री अय्यप्पा मंदिर में की पोंगाला पूजा

बोकारो : नगर के सेक्टर-5 स्थित श्रीअय्यप्पा मंदिर के प्रांगण में दक्षिण भारत की संस्कृति की अनुपम छटा उतरी रही। नई प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पी. राजगोपाल के निर्देशानुसार महासचिव ई.एस. सुशीलन द्वारा पहली बार बोकारो के अय्यप्पा मंदिर में पोंगाला पूजा की शुरूआत हुई, जो केरल के आट्टकाल देवी मंदिर के पोंगाला पूजा महोत्सव का एक हिस्सा है और जो बहुत ही बड़े पैमाने पर धूमधाम से मनाई जाती है। मौके पर अय्यप्पा सेवा संघम के उपाध्यक्ष शशि कराट एवं संघम के अन्य सदस्यगण बी.शाजिन, बाबू राज के साथ साथ संघम के पूर्व अध्यक्ष सतीश नायर, पूर्व महासचिव डी. शशि कुमार आर., अयप्पा पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल पी. शैलजा जयकुमार भी उपस्थित थे और सबने पराशक्ति माता का आशीर्वाद ग्रहण किया।

चिन्मय में नवनामांकित विद्यार्थियों का अभिप्रेरण

बोकारो : चिन्मय विद्यालय में नव नामांकित छात्र-छात्राओं व उनके अभिभावकों का शनिवार को स्वागत किया गया। अध्यक्ष विश्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा प्राचार्य ने दीप प्रज्जवलित कर स्वागत समारोह का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि अध्यक्ष विश्वरूप मुखोपाध्याय ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी परमपूज्य गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद महाराज द्वारा स्थापित यह चिन्मय विद्यालय अपने आप में अति विशिष्ट विद्यालय है। इस विद्यालय में गुरु-शिष्य परंपरा के आधार पर शिक्षा प्रदान की जाती है। महेश त्रिपाठी ने कहा कि अभी-तक चिन्मय विद्यालय ने एक से बढ़कर एक होनहार छात्र समाज को दिया है, जो समाज व राष्ट्र का नाम रोशन कर रहे हैं। अंशु उपाध्याय, सोनालिसा, सरिता वर्मा ने छात्रों को टीचर लर्निंग प्रोसेस, सेलो तकनीक के बारे में जानकारी दी। मौके पर नरमेंद्र कुमार मुख्य समन्वयक, वृज मोहन लाल दास, प्रौद्योगिकी, गोपाल चंद मुंशी प्रभारी, विकास परिधारिया, संजीव सिंह, रश्मि सिंह, सोमा झा इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। संचालन रश्मि शुक्ला, प्रिया राजीव एवं शैली सिंह ने किया। पुनीत दोसी, शुभेन्दु मिश्रा, सरिता वर्मा, रणधीर नरायण, पंचानंद शर्मा व रजनीश चौधरी ने तकनीकी सहयोग किया। संगीत विभाग के जय किशन राठौड़, दिनेश कुमार, रुपक झा ने क्रमशः हरमोनियम, गिटार एवं तबला वादक के रूप में शामिल थे। गोपालचंद्र मुंशी धन्यवाद ज्ञापन दिया।

डीवीसी ने ऊपरघाट में मेडिकल कैम्प लगाया

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल डीवीसी सीएसआर की ओर से शनिवार को नावाडीह प्रखंड अंतर्गत ऊपरघाट के हरलाडीह स्थित शहीद कैलाश महतो स्मारक उच्च विद्यालय में ग्रामीणों, बच्चों एवं महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन डीवीसी के बोकारो थर्मल के एचओपी एनके चौधरी, डीजीएम बीजी होलकर, बरई पंचायत के मुखिया विजय कुमार रवि, पंसस कौलेश्वर रविदास, डीवीसी हॉस्पिटल के डॉ. बी. सुदर्शन एवं डॉ. आरएन एक्का ने संयुक्त रूप से किया गया। एचओपी ने कहा कि सीएसआर योजना के तहत सुदूर ग्रामीण इलाकों में डीवीसी सीएसआर के तहत शिविर का आयोजन कर क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के लिए संकल्पित है। शिविर में डॉ. बी. सुदर्शन एवं डॉ. आरएन एक्का ने लगभग 300 ग्रामीण महिलाओं, पुरुषों एवं बच्चों के नियमित स्वास्थ्य की जांच कर सभी को दवा दी।

झारखंड में इस बार ज्यादा दिनों तक सताएगी गर्मी, मॉनसून रहेगा फीका

वेदर रिपोर्ट... मौसम पर अल-नीनो का असर, बोकारो समेत पूरे झारखंड में कम बारिश, 16 जिलों में 20-59 % तक वर्षापात में आई कमी

विशेष संवाददाता

रांची : औद्योगिक क्रांति, पेड़ों की अंधाधुंध कटाई आदि कारणों से जलवायु-परिवर्तन का असर मौसम पर साफ-साफ देखा जा रहा है। इस वर्ष मार्च महीने से ही गर्मी अपना असर दिखाने लगी है और मौसम विभाग की मानें तो 2023 में गर्म दिनों की औसत संख्या ज्यादा रहेगी। यानी विगत वर्ष की तुलना में इस बार ज्यादा दिनों तक गर्मी का असर देखने को मिलेगा। मौसम विज्ञान केन्द्र, रांची के निदेशक अभिषेक आनंद ने एक खास बातचीत में बताया कि इस बार मौसम पर अल-नीनो का प्रभाव है। हर दो-तीन साल पर मौसम संबंधी बदलाव के परिणामस्वरूप इस तरह की घटना होती है। अल-नीनो में मानसून कमजोर हो जाता है और गर्मी का असर ज्यादा दिनों तक देखा जाता है। इसी का प्रभाव रहा कि 2022 में मानसून 2021 की तुलना में कमजोर रहा और मानसून के बाद से लगातार पांच महीने तक खुलकर बारिश नहीं हो सकी है। आलम यह है कि झारखंड के 24 में से 16 जिलों में 20 से 59 प्रतिशत तक की कमी विगत मानसून में देखने को मिली। बाकी के आठ जिलों में भी 2021 की तुलना में वास्तविक वर्षापात कम रिकॉर्ड किया गया। श्री आनंद ने अनुसार मानसून की बेरुखी का यह सिलसिला इस साल भी जारी रह सकता है। जाहिर है, ऐसे में गर्मी का असर भी इस बार कुछ ज्यादा देखने को मिल सकता है।

वजह... जलवायु-परिवर्तन के कारण कमी या बढ़ोतरी

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि मानसून में सामान्य और कमी का चक्र चलता आ रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण जलवायु-परिवर्तन है। परिस्थितियां हमेशा अनुकूल नहीं रहती है, जिसके चलते मानसून में गड़बड़ी आती है। इस इलाके में मुख्य मानसून में बंगाल की खाड़ी की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। जलवायु-परिवर्तन के कारण समुद्र के हीटिंग-पैटर्न में भी बदलाव आया है। इसके कारण दबाव संबंधी तो सिस्टम के निर्माण में भी थोड़ा परिवर्तन आ गया है। चक्रवातीय परिस्थिति भी बदल गई है। लिहाजा, गर्मी, जाड़े या बारिश में कमी-बढ़ोत्तरी असामान्य व अप्रत्याशित रूप से देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि इस परिस्थिति में तापमान संबंधी कोई रिकॉर्ड टूटता है, बल्कि ज्यादा दिनों तक अधिक तापमान का प्रभाव रहता है। इस बार भी ऐसा होने की संभावना है।

इन जिलों के वास्तविक वर्षापात में आई कमी

विगत मानसून में जिन 16 जिलों में 20 से 59 फीसदी तक की कमी आई, उनमें गढ़वा- 531 मिमी, पलामू- 526.3 मिमी, चतरा- 635.4 मिमी, हजारीबाग- 831.7 मिमी, गिरिडीह- 760.7 मिमी, देवघर- 653.3 मिमी, गोड्डा- 415.8 मिमी, साहिबगंज- 497.1 मिमी, धनबाद- 946.6 मिमी, जामताड़ा- 574 मिमी, दुमका- 787 मिमी, पाकुड़- 495.4 मिमी, लोहरदगा- 769.1 मिमी, गुमला- 829 मिमी, खूंटी- 886.9 मिमी और सिमडेगा- 1031.8 मिमी शामिल हैं।

बोकारो में 142 मिमी की कमी, डैमों का जलस्तर गिरा

बोकारो जिले में 2021 के मानसून में 1032.8 मिमी बारिश हुई थी, जबकि 2022 में 890.8 मिमी रिकॉर्ड किया गया। लगभग 142 मिमी की कमी आई। इसके अलावा गत मानसून में कोडरमा में 808.2 मिमी, लातेहार में 864.8 मिमी, रामगढ़ में 954 मिमी, रांची में 1076.4 मिमी, सरायकेला-खरसावां में 898.5 मिमी, पूर्वी सिंहभूम में 1117.1 मिमी, पश्चिम सिंहभूम में 992 मिमी वास्तविक वर्षापात दर्ज किया गया। इस बार बोकारो समेत पूरे झारखण्ड में वर्ष 2016 के बाद पहली बार इतनी लंबी अवधि तक बारिश नहीं होने के कारण सभी जगहों का जलस्तर कम हुआ है। मानसून के बाद विगत पांच महीने से बारिश की कमी का असर बोकारो में भी देखा जा रहा है। मार्च महीने में ही जलाशय सूखने लगे हैं। कुएं से लेकर नदी और डैम तक के भी पानी का स्तर कम हो रहा है। बोकारो जिले में लगभग साढ़े तीन लाख लोगों की आबादी तेनुघाट डैम से होने वाली जलापूर्ति पर आश्रित है। इस डैम की जल धारण क्षमता 856 फीट है, जो 2 फीट घटकर 852 पर पहुंच गई है। विगत वर्ष फरवरी के अंत और मार्च के प्रथम सप्ताह में यह जलस्तर 853 फीट था यानी इस वर्ष तेनुघाट डैम के जलस्तर में एक फीट की कमी आई है। बोकारो इस्पात नगर और आसपास के इलाके के लोग भी तेनुघाट डैम से होने वाली जलापूर्ति पर निर्भर हैं। दूसरी तरफ, दामोदर और गरगा नदी के जल स्तर में भी गिरावट देखी जा रही है। गरगा डैम में वर्तमान जिला स्तर 765 फीट है, जबकि विगत वर्ष 767 फीट था। यहां से रेलवे कॉलोनी में रहने वाली लगभग 20000 लोगों की आबादी को जलापूर्ति की जाती है।

जानिए... पिछले 4 वर्षों में कब कहां कितनी बारिश

	2019	2020	2021	2022
बोकारो	841.4	735.8	1032.8	890
चतरा	682	651.7	719.1	635.4
देवघर	758.3	575.8	1050	653.3
धनबाद	939.3	909.7	1356.8	746.6
दुमका	1000	1144.8	1074.2	787
पू.सिंहभूम	848.8	1177.2	1293.7	1117.1
गढ़वा	816	910.2	996.1	531
गोड्डा	556.4	819.5	722.2	415.8
गुमला	924.6	564	771.5	829
हजारीबाग	861.7	951.5	1217.2	831.7
जामताड़ा	1004.4	774.3	1555.4	574
खूंटी	726.8	875.8	1046.6	886.9
कोडरमा	900.9	891.4	998	808.2
लातेहार	633.5	1180.5	1178.3	864.8
लोहरदगा	871.3	887.7	1445.5	769.1
पाकुड़	749.3	889.1	809	495.4
पलामू	871.1	1004.1	853.4	526.3
रामगढ़	968.5	1183.2	1176.9	954
रांची	755.5	904.4	1213.9	1076.4
साहेबगंज	1893.6	1298	1275.7	898.5
स.खरसावां	774.7	732.1	978.1	898.5
सिमडेगा	1263.4	1188	1045	1031.8
प.सिंहभूम	868.8	863.8	105.8	972

जानिए... क्या है अल-नीनो

दो साल बाद इस बार मौसम में बदलाव संबंधी घटना अल-नीनो मजबूत है। 2021 में ला-नीना स्ट्रॉन्ग था। ऐसा चक्र हरेक दो-ढाई साल बाद आता है। ला नीना और अल नीनो एक दूसरे के विपरीत हैं। ला नीना में मानसून ज्यादा होता है और ठंड बढ़ती है, जबकि अली नीनो में मानसून कमजोर पड़ जाता है। ये दोनों स्पैनिश शब्द हैं। ला नीना को शीत घटना भी कहते हैं। ला नीना घटनाएं पूर्व-मध्य विषुवतीय प्रशांत महासागरीय क्षेत्र में औसत समुद्री सतही तापमान से निम्न तापमान की द्योतक हैं।

चोरों के निशाने पर पुपरी दुर्गा मंदिर

पुपरी : जनकपुर रोड (पुपरी) में इन दिनों आपराधिक घटनाओं में काफी इजाफा देखा जा रहा है। आश्चर्य की बात तो यह है कि लगातार घटनाएं हो रही हैं और पुलिस संजीदगी के साथ इन पर लगाम लगाने की दिशा में तनिक भी तत्पर नहीं दिख रही है। इसके खिलाफ लोगों में भारी आक्रोश है। हाल ही में एक ही रात पुपरी के दो दुर्गा मंदिरों में चोरी हो गई। जनकपुर रोड रेलवे स्टेशन परिसर स्थित दुर्गा मंदिर में मातारानी का मुकुट, छत्तर और अन्य सभी आभूषण और दानपात्र से नकद रुपयों को लेकर चोर चंपत हो गए। इसके साथ ही झिझिहट स्थित प्रसिद्ध भगवती स्थान मंदिर में भी उसी रात को चोरी हो गई। बदमाशों ने मातारानी के मुकुट, छत्तर और अन्य आभूषण और दानपात्र से नकद रुपए चुरा लिए। पुपरी नागरिक मंच से जुड़े लोगों ने ऐसी घटनाओं को दुस्साहस बताते हुए कड़ी नाराजगी जताई है। कहा कि पुपरी में चोरी की घटना अब सामान्य बात बन गई है, लेकिन चोर अब मंदिर को भी निशाना बना रहे हैं। इन दिनों पुपरी की सबसे बड़ी समस्या पिछले कुछ महीनों में चोरी की घटना में हुई अप्रत्याशित वृद्धि है। पुपरी में लगातार हो रही चोरी, छिनतई, बाइक चोरी की घटना के बाद भी अभी तक किसी भी घटना का उद्भेदन पुलिस नहीं कर पाई है। यह चिंताजनक हैं।

बोखड़ा में धूमधाम से मनी होली

बोखड़ा : बोखड़ा प्रखंड की विभिन्न पंचायतों में रंगों का त्योहार होली बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। गांव-गांव में बच्चे टोलियां बनाकर रंग-गुलाल उड़ाते नजर आए, वहीं डंफ करताल लेकर लोग होली गाते हुए मस्त नजर आए। शांति-व्यवस्था की कमान संभाले नानपुर थाना अध्यक्ष राकेश रंजन, बोखड़ा ओपी प्रभारी त्रिपुरारी कुमार, अवर निरीक्षक अजीत कुमार, सत्येंद्र कुमार राय सहित पुलिस बल के अन्य जवान शांति-व्यवस्था बहाल करने को लेकर चप्पे-चप्पे पर कमान संभाले दिखे। वहीं, प्रमुख सुधीर कुमार, मुखिया महिसौथा इंदु बाला, उप प्रमुख राकेश कुमार, पूर्व उप प्रमुख आफताब आलम मिंटू, चकौती मुखिया अशोक कुमार, पूर्व मुखिया अखिलेश पटेल, मुखिया प्रियंका कुमारी, खरका बसंत उत्तरी मुखिया राजकुमारी देवी, भाऊर मुखिया सुनील पासवान, पोखरैरा मुखिया फरहाना अंजुम, जिला परिषद सिराजुल हक व नंद कुमार यादव, मुखिया कुमारी अर्चना, समाजसेवी शकील अहमद, जावेद अख्तर, सरपंच कुलदीप यादव, मधु कुमारी, मुखिया जितेंद्र झा, बोखड़ा मुखिया शाहजहां खातून, समाजसेवी अखलाक अहमद आदि ने होली पर्व शांतिप्रिय ढ़ंग से संपन्न कराने को लेकर प्रखंड प्रशासन को बधाई दी।

मिथिला डायरी

मुसीबत में लालू परिवार

विशेष संवाददाता

पटना : राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और उनका परिवार मुसीबत में दिख रहा है। ईडी ने लालू परिवार पर जिस कदर शिकंजा कसा है, उसे देखते हुए उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के जेल जाने की भी आशंका जताई जा रही है। ईडी के हाथ लगी क्राइम मनी की वजह से ऐसा माना जा रहा है। ईडी के हाथ कुछ ऐसे दस्तावेज लगे हैं, जिनके आधार पर तेजस्वी जेल भी जा सकते हैं। सियासी जानकारों की मानें तो ये दस्तावेज लालू परिवार के लिए घातक साबित हो सकते हैं। दिल्ली-एनसीआर, पटना, मुंबई और रांची में 24 स्थानों पर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव से जुड़ी जगहों पर छापेमारी हुई। ईडी ने उनके बेटे, बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव और उनकी बेटियों से जुड़े परिसरों में छापेमारी की। छापेमारी के एक दिन बाद जमीन के बदले रेलवे की नौकरी की जांच में ईडी ने दावा किया है कि उसने 600 करोड़ रुपये

के अपराध की आय का खुलासा करने वाले दस्तावेजों को जब्त कर लिया है। दस्तावेज 350 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों के स्वामित्व और विभिन्न बेनामीदारों के माध्यम से किए गए 250 करोड़ रुपये की लेनदेन से संबंधित हैं।

एजेंसी ने मनी लॉन्ड्रिंग जांच में छापेमारी की है, जो कि यूपीए सरकार के तहत रेल मंत्री के रूप में लालू के कार्यकाल के दौरान नौकरी के बदले जमीन लेने से संबंधित है। रेलवे के विभिन्न जोन में ग्रुप डी की नौकरी देने वाले लोगों से जमीन की जबरन वसूली का मामला है। ईडी ने कहा कि जांच के दौरान खुलासा हुआ है कि कई रेलवे जोन में भर्ती किए गए उम्मीदवारों में से 50 फीसदी से ज्यादा लालू प्रसाद के परिवार के निर्वाचन क्षेत्रों से थे।

आपकी शक्तियों को जीवंत बनाता है 'विश्राम'

– गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

आप सबकी चाहत है कि मेरे जीवन में आराम हो, मेरे जीवन में प्रसन्नता हो, मेरा शरीर स्वस्थ रहे, मेरे मन में सदैव उत्साह हो। आपके सारे क्रियाकलाप इन्हीं चार कामनाओं के लिए हैं, जिनके लिए संसार चक्र में आप निरन्तर और निरन्तर भाग-दौड़ कर रहे हो। इतनी भागदौड़ कर रहे हो, फिर भी न मन में शांति है और न ही पूरा उत्साह। शरीर में है थकान और आराम तो दूर-दूर तक नहीं है। ऐसी स्थिति है तो इस पर विचार करना चाहिए आपको, स्वयं विचार करना चाहिए। आपका जन्म प्रभु का आशीर्वाद है तो फिर आपके जीवन में यह चारों बातें अवश्य होनी चाहिए।

आपका मन है संसार चक्र का स्वरूप। संसार चक्र में एक गति से चक्र चलता है और यह चक्र 28 दिन में, चार सप्ताह में पूरा होता है। ठीक वैसे ही, जैसे चन्द्रमा जो मन का प्रतीक है, पृथ्वी का परिभ्रमण चार सप्ताह में पूरा करता है।

ठीक ऐसे ही आपका मन भी, वह भी एक गोल वर्तुल में निरन्तर और निरन्तर परिभ्रमण कर रहा है। संसार चक्र में सबका मन यही कह रहा है। अब बताओ और आप, क्या करना चाहते हो? कुछ नया। यह ठीक है कि आपके जीवन में कुछ घटनाएं घटित हुई हैं। आपके द्वारा ही घटित हुई हैं। कभी आपने प्रेम कर लिया, कभी घृणा कर ली, कभी क्रोध कर लिया और आप सोचते हो कि मैं संसार का पहला व्यक्ति हूं। मैंने अपने जीवन में इतने सालों में यह-यह नवीन कार्य किए। आपसे पहले भी, हजारों साल से, करोड़ों-करोड़ों लोगों ने यही किया। आपने नया क्या किया?

नया इसलिए नहीं किया है कि आपका मन तो एक गोल घेरे में वर्तुल में घूम रहा है, या अपने मन को आदत दे दी। बहुत अभ्यास किया है आपने मन को गोल घेरे में घुमाने की। अब वह इसी रूप से निरन्तर घूम रहा है।

आज सोचो, क्या अपने मन को किसी खास स्थान पर ठहराया है, टिकाया है? अब मन को ठहराना है, टिकाना है तो सबसे पहले इसकी गति को गोल-गोल घूमने की बजाय कहीं जमाना तो पड़ेगा, इसे शांत तो करना पड़ेगा, इसे विश्राम तो देना होगा।

आज तक आपने यही जाना है कि मन का नाम है- भटकाव, जो अपनी मनमर्जी करता रहता है। मन अपनी मनमर्जी नहीं कर रहा है। आपने उसे गोल-गोल घूमने की आदत डाल दी है। इसलिए जल्दी से प्रसन्न हो जाते हो, जल्दी से क्रोध में भर जाते हो, छोटी सी बात आपके मन को विचलित कर देती है। क्यों हो रहा है यह सब? क्योंकि, आपके मन में विश्राम का भाव नहीं है। आपने अपने मन को विश्राम तो दिया ही नहीं है।

'विश्राम' बहुत बड़ा शब्द है और इसका बहुत गहरा अर्थ है। विश्राम अर्थात जहां कोई श्रम न हो, असीम शांति हो। आपने तो सोने को विश्राम का नाम दे दिया और जागने को क्रिया का नाम दे दिया।

आज एक बात और सोचो। आपने भरपूर नींद का, विश्राम का कब आनंद लिया है? बहुत परिश्रम कर शरीर को थका दिया है और नींद आ गई, उसे विश्राम नहीं कहते। क्योंकि, नींद में जाते हुए आपने अपने मन को किसी चिन्ता में, कल की चिन्ता में, आने वाले 10 साल की चिन्ता में लगा दिया। अब मन बेचारा क्या करे? वह तो अविरल घूम ही रहा है। इसीलिए कभी आपकी नींद उचाट हो जाती है और कभी दुःस्वप्न आते हैं।

सीधी-सादी बात है। शरीर और मन का समन्वय नहीं है। अब समन्वय नहीं है तो विश्राम कैसे होगा? देखो! शक्ति का नाम है 'क्रिया' और विश्राम का नाम है 'शिव'। यदि मन में विश्राम ही नहीं है तो इस मन से नवीन शक्ति का उद्भव कैसे होगा? दोनों में सामंजस्य होना ही चाहिए। भरपूर विश्राम होगा तो भरपूर शक्ति का भी उद्भव होगा।

आप अपने आपको कई बार समझाते हो और कहते हो कि मैं विश्राम कर रहा हूं, कभी आप अपने कामों को टालते रहते हो और अभी तो विश्राम कर लूं। कभी आप भविष्य की प्रतीक्षा करते रहते हो और सोचते हो कि अभी तो मैं विश्राम करूं, आगे भरपूर क्रिया करूंगा।

यह कोई विश्राम थोड़े ही है? शिव भाव थोड़े ही है? मन को दे दिया खिलौना व्यस्त करने के लिए और मन को निरन्तर व्यस्त कर रखा है। व्यर्थ की बातों के लिए आपका मन गतिशील है। कहां है विश्राम? विश्राम वही स्थिति है, जहां आपका मन भी शांत हो जाए। आपका मन घूमने की बजाय किसी एक स्थान पर टिक जाए, मन की गति रुक जाए।

अब आप सोचो कि आप अपने जीवन में सफल होना चाहते हो या व्यस्त होना चाहते हो? केवल व्यस्त रहने से और चौबीसों घंटे अपने मन को क्रियाशील रखने से आप सफल तो नहीं हो सकते। निरंतर व्यस्त रहे तो आपकी जिंदगी जुनून बन जाएगी और यह सोचने लगोगे कि बस, यह सारे काम निपटा दूं, फिर मैं विश्राम ही विश्राम करूंगा। आप बहुत 'बिजी' हैं और अपने आपको बहुत क्रियाशील, कर्मशील समझते हो। तो अपने आपसे पूछो कि ऐसे ही 'बिजी' रहोगे या कर्मशील होओगे? सफल होना और कामना पूर्ति एक ही भाव है। इसके लिए आवश्यक है कि दिन में, सप्ताह में, महीने में कोई दिन ऐसा हो, जिस दिन आप काम ही नहीं करो। जानते हो, संसार में सबसे मुश्किल कार्य है 'कुछ नहीं करना', चुपचाप बैठे रहना और अपने मन की गति को देखना। चलने दो, विचारों का प्रवाह धीरे-धीरे एक स्थान पर टिक जाएगा। मन को किसी एक स्थान पर टिकाने को ही कहा गया है- ध्यान।

ध्यान है विश्राम की स्थिति। यही आपकी शक्तियों को जीवंत बनाती है। इसके लिए भी अभ्यास करना पड़ता है। क्या आप ऐसी स्थिति सप्ताह में एक-दो बार, महीने में एक-दो बार ला सकते हो, जब न आपके पास कोई किताब है, न कोई संगीत, न कोई फिल्म और न कोई मोबाइल। बस, आप चुपचाप शान्त भाव से बैठे हो। अपने मन को टिका रहे तो अपने गुरु पर टिकाओ, अपने इष्ट पर मन को टिकाओ और अपने आपको सौंप दो। बस यह क्रिया ही आपको शिवमय बना देगी, आपको आनन्द से परिपूर्ण कर देगी।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

खून की कमी को दूर करना हो, तो खायें गुड़-चना

खाली समय में गुड़ और चने जैसा स्वाद का कांबिनेशन और कहीं नहीं मिलता। कई बार कब्ज की समस्या को दूर करने के लिए भी लोग गुड़ और चने खाना पसंद करते हैं। लेकिन इन सभी के अलावा एनीमिया से बचने में भी गुड़ और चना बेहद फायदेमंद है।

रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी से होने वाला रोग एनीमिया अधिकांशतः महिलाओं में देखने को मिलता है। खास तौर से आयरन की कमी के कारण यह समस्या सामने आती है, जिसमें थकान और कमजोरी महसूस होना आम बात है। ऐसे में महिलाओं को अपनी डाइट में आयरन से भरपूर चीजें लेने की सलाह दी जाती है, ताकि हीमोग्लोबिन का स्तर कम न हो।

गुड़ और चना आयरन से भरपूर होता है, और यही कारण है कि एनीमिया से बचने के लिए यह बेहद मददगार साबित होता है। गुड़ में उच्च मात्रा में आयरन होता है, और इसमें सामान्य शर्करा भी पाई जाती है। इसे अलावा भुने हुए चने में आयरन के साथ-साथ प्रोटीन भी सही मात्रा में पाया जाता है।

इस तरह से गुड़ और चने को मिलाकर खाने से आवश्यक तत्वों की कमी पूरी होती है, जो एनीमिया रोग के लिए जिम्मेदार होते हैं। गुड़ और चना न केवल आपको एनीमिया से बचाने का काम करते हैं, बल्कि आपके शरीर में आवश्यक ऊर्जा की पूर्ति भी करते हैं। शरीर में आयरन अवशोषित होने पर ऊर्जा का संचार होता है, जिससे थकान और कमजोरी महसूस नहीं होती।

हालांकि अत्यधिक मात्रा में भी इसका सेवन आपके भोजन की आदत को प्रभावित कर सकता है। इसलिए इसे नियमित रूप से और नियंत्रित मात्रा में खाना अधिक फायदेमंद होगा। गुड़ और चना आसानी से बाजार में उपलब्ध भी हो जाता है। इनका सेवन करते समय एक मुट्ठी चना और थोड़ा सा गुड़ मिलाकर एक साथ खाएं। यह स्वाद से भरा भी होता है, अतः इसे खाने में आपको किसी प्रकार की परेशानी भी नहीं होगी, बल्कि आप इसे खाना पसंद करेंगे।

(साभार : जीवन मंत्र)

बहुआयामी अभिनय-कला की मिसाल छोड़ गए सतीश कौशिक

स्मृति शेष : 1956-2023

फिल्मी दुनिया के हरफनमौला कलाकार सतीश कौशिक (66) नहीं रहे। हृदयाघात के कारण वह हमेशा-हमेशा के लिए इस दुनिया को छोड़ रुखसत हो गए। हालांकि, उनके निधन पर अब हत्या संबंधी आरोप भी उठने लगे हैं। हिन्दी सिनेमा जगत में उन्होंने जो बहुआयामी अभिनय-कला की मिसाल पेश की, वह अपने-आप में मौजूदा और कल के कलाकारों के लिए किसी विश्वविद्यालय से कम नहीं। हर भूमिका में उन्होंने अपने किरदार को बखूबी निभाया। छोटी-बड़ी फिल्मों से निमार्ता, निर्देशक, पटकथा लेखक व अभिनेता सतीश कौशिक के जीवन के इतने आयाम हैं कि एक व्यक्ति में उनका होना किसी अचरज से कम नहीं है। यही वजह है कि उनके असामयिक निधन से सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं, पूरा देश स्तब्ध है। हरियाणा प्रदेश, खासकर अहीरवाल क्षेत्र तथा विशेष रूप से उनके पैतृक गांव के लिये तो यह बड़ी क्षति है। महेंद्रगढ़ जिले के चोटे से गांव धनौंदा से निकलकर बॉलीवुड में पैर जमाना कोई आसान काम नहीं था, लेकिन सतीश कौशिक ने संघर्ष की गाथा का उदाहरण प्रस्तुत किया।

बॉलीवुड में लंबे संघर्ष के बाद उन्हें मिस्टर इंडिया के कैलेंडर किरदार के रूप में पहली बार बड़ी पहचान मिली। फिल्म राम-लखन तथा साजन चले ससुराल आदि के लिये दो बार फिल्म फेयर अवार्ड से नवाजे गए सतीश कौशिक ने निर्देशन, निर्माण, पटकथा लेखन के अलावा अभिनेता व हास्य अभिनेता के रूप में बहुआयामी भूमिका निभाई। अहीरवाल के कला, साहित्य, संस्कृति तथा सिनेमा से जुड़े अनेक रचनाकारों तथा कलाकारों की स्मृति में उनसे जुड़े अनेक संस्मरण आज भी जिंदा हैं। सतीश कौशिक ने बॉलीवुड की चमक-दमक में रहने के बावजूद हरियाणवी सिनेमा से लगाव बनाये रखा। एक बातचीत में उन्होंने कहा था कि आने वाला समय हरियाणवी सिनेमा का है। हरियाणवी बोली की धमक बॉलीवुड तक है। इस दिशा में उन्होंने सार्थक प्रयास किये भी हैं।

गोविंदा और सतीश कौशिक की जोड़ी कॉमेडी के मामले में अपने-आप में बेजोड़ रही है। दोनों ही दर्शकों को अपने लतीफों से हंसाते थे। दोनों की केमिस्ट्री भी लाजवाब थी। ऐसी कई फिल्में रहीं जिसमें गोविंदा ने घर छोड़ा तो सतीश ने उन्हें सहारा दिया। सतीश के निधन से मर्माहत गोविंदा ने कहा कि उनका जाना किसी सदमे से कम नहीं। स्वर्ग, साजन चले ससुराल, दीवाना-मस्ताना, बड़े मियां, छोटे मियां, हसीना मान जाएगी जैसी फिल्मों में सतीश कौशिक ने कमाल की कॉमेडी की थी। उनके साथ की गई हर फिल्म सुपरहिट रही। गोविंदा ने कहा कि सतीश सबको साथ में लेकर चलने वाले शख्सियत थे। सबसे बड़ी यह बात कि वह काफी दयालु और दिलदार इंसान थे। उन्होंने कई फिल्मों में मुफ्त में काम किया था। आंटी नंबर वन में जो किरदार उन्होंने निभाया, उसके एवज में एक रुपया भी नहीं लिया था। वास्तव में फिल्मी-जगत के फलक से ऐसे सितारे का टूट जाना बहुत बड़ी क्षति है।

- प्रस्तुति : गंगेश

बोकारो स्टील प्लांट के एसएमएस-न्यू ने बनाया फिर नया कीर्तिमान

लगातार 70 घंटे के सिंगल सीक्वेंस में 100 हीट कास्ट कर बनाया नया रिकॉर्ड, डीआई ने दी बधाई

संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट का एसएमएस-न्यू विभाग अपनी कमीशनिंग के उपरान्त उत्पादन में उत्कृष्टता के लगातार नए बेंचमार्क स्थापित कर रहा है। इस श्रृंखला में टीम एसएमएस-न्यू ने निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश के नेतृत्व में तथा अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीके तिवारी एवं मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-न्यू) अरविंद कुमार के मार्गदर्शन में फ्लाइंग टंडिश से सिंगल सीक्वेंस में 100 हीट कास्टिंग कर नया रिकॉर्ड बनाया है। बोकारो स्टील के संचार प्रमुख मणिकांत धान के अनुसार लगभग 70 घंटे तक लगातार चली इस कास्टिंग की शुरुआत 7 मार्च को हुई थी तथा 10 मार्च को यह सम्पन्न हुई. इससे पहले टीम एसएमएस-न्यू ने 22 फरवरी को फ्लाइंग टंडिश से सिंगल सीक्वेंस में 64 हीट कास्टिंग का रिकॉर्ड बनाया था।

एसएमएस-न्यू की इस उपलब्धि पर शनिवार को बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश ने अपने सहयोगियों के साथ एसएमएस-न्यू के अधिकारियों एवं कर्मियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्हें इस्पातकर्मियों को अपने हाथों से मिठाई खिलाकर उनका मनोबल बढ़ाया तथा उत्कृष्टता के इस क्रम को जारी रखने का आह्वान किया। इस दौरान अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीके तिवारी एवं मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-न्यू) अरविंद कुमार भी उपस्थित थे।

चल जंगल चल

कुमार मनीष अरविन्द

चल जंगल चल, चल जंगल
जंगल में दंगल भी होते
हिल जाते पेड़ों पर खोते
वन में हलचल और सनसनी
दो बाघों में अगर दुश्मनी
मल्ल-युद्ध थर्राता है वन
जब भिड़ते दो नगर हाथी दन्तार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल
बंदर-लंगूरों के भी दल
लड़कर पैदा करते हलचल
दंगल से ही तय करते हैं
नेता अपना ये चुनते हैं
सर्वश्रेष्ठ ही चुन पाता है
उसका ही होता दल पर अधिकार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल

(क्रमशः)

पेज- एक का शेष

बोकारो में सबसे बड़ा...

की सेटिंग जबदरस्त है। उन्होंने भी अपने बेटे को इस कम्पनी में अधिकारी बनवा लिया। स्पष्ट है, ऐसे में यह बात साबित होती है कि समरथ के नहिं दोष गोसाईं। यदि आपकी पहुंच राजनीतिक है, आप केन्द्र तथा राज्य सरकार में सक्रिय हैं, तो कोई भी जमीन हड़प सकते हैं, अगर पहुंच है तो किसी भी जमीन पर कब्जा कर उसे अपने नाम दर्ज करा सकते हैं।

ईएसएल की ओर से नहीं मिला जवाब

इस सन्दर्भ में वेदांता-इलेक्ट्रोस्टील का पक्ष जानने के लिए उसके सक्षम अधिकारियों से कई बार फोन तथा ई-मेल पर सम्पर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनलोगों ने इसका कोई जवाब देना मुनासिब नहीं समझा। खबर लिखे जाने तक उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिल सका था।

जब मंत्री ने विभागीय अधिकारी को दी थी नसीहत

इस मामले में पूछने पर वन विभाग के एक उच्च पदस्थ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इलेक्ट्रोस्टील ने भागाबांध में बाजाब्ता फ्लड लाइट जलाकर रात के अंधेरे में लैण्डमूवर के सहारे सुरक्षित एवं अधिसूचित वनभूमि पर जंगलों को उजाड़ा और जमीन समतल की। इलेक्ट्रो स्टील द्वारा सैकड़ों एकड़ वन भूमि की प्रकृति को चीन से लाये गये भाड़े के कर्मचारियों ने रातों-रात बदलने का काम किया। कम्पनी का यह अभियान लगातार जारी रहा। लेकिन, किसी भी उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारी ने भी वन विभाग के अधिकारियों की फरियाद नहीं सुनी। सब जान-बूझकर अनजान बने रहे। बाद में सरकार के तत्कालीन भूमि सुधार व राजस्व मंत्री ने वन विभाग के अधिकारियों सहित अन्य शीर्ष पदाधिकारियों के साथ एक बैठक बुलायी, जिसमें मंत्री जी ने कर्मठ व ईमानदार अधिकारियों की पीठ थपथपाने की जगह उन्हें खरी-खोटी सुनाई और खुद को कम्पनी के पक्षकार के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने उस बैठक में संबंधित अधिकारियों को यह कहते हुए नसीहत भी दी कि 'यदि आप लोगों का यही रवैया रहा तो झारखंड में कोई भी उद्यमी अपना उद्योग नहीं लगाना चाहेगा।' अब सवाल उठता है कि आखिर इस नसीहत के पीछे क्या राज था? सवाल यह भी है कि वन विभाग के पास वन-भूमि के सारे साक्ष्य रहने के बावजूद सरकार ने इस कम्पनी का साथ क्यों दिया? यह जांच का एक गंभीर विषय है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा दामिनी प्रिन्टर्स, जेब्री.- 12, सिटी सेन्टर, सेक्टर-4, बोकारो से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)

भारत-आस्ट्रेलिया संबंधों को नया आयाम

दोनों देशों में व्यापक रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने पर सहमति

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज का चारदिवसीय भारत दौरा दोनों ही देशों के बीच पारस्परिक संबंधों को नया आयाम देने की दिशा में काफी अहम माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने नई दिल्ली में द्विपक्षीय वार्ता की। पहले भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक शिखर सम्मेलन के दौरान, दोनों देशों ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। दोनों देशों ने खेल और ऑडियो-विजुअल को-प्रोडक्शन में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया। भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई पक्ष ने भारत-ऑस्ट्रेलिया सौर कार्य बल के लिए संदर्भ की शर्तों, अटल इनोवेशन मिशन और राष्ट्रमंडल वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान संगठन के बीच आशय पत्र का भी आदान-प्रदान किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया ने सहयोग को और मजबूत करने के लिए व्यापक विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा सहयोग व्यापक रणनीतिक साझेदारी का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। श्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपने सुरक्षा और रक्षा सहयोग को और प्रगाढ़ करने पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों क्वाड समूह के सदस्य हैं और वह इस वर्ष मई में क्वाड नेताओं के सम्मेलन के लिए ऑस्ट्रेलिया की यात्रा करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया ने विश्वसनीय और मजबूत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने के बारे में भी बात की। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हस्ताक्षरित आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता (ईसीटीए) एक रूपांतरकारी समझौता है जो व्यापार एवं निवेश में संभावना के अगले स्तर को खोलेगा। मुंबई में आयोजित भारत-ऑस्ट्रेलिया सीईओ फोरम को संबोधित करते हुए उन्होंने भारत आने वाले ऑस्ट्रेलिया के निवेशकों की बड़ी संख्या के साथ साथ सहभागिता करने वाले प्रमुख भारतीय व्यवसाय घरानों की भी पूरे मन से सराहना की।

उन्होंने कहा कि यह ऑस्ट्रेलिया के तटों से भारत का दौरा करने वाले सबसे गंभीर एवं हाई प्रोफाइल शिष्टमंडलों में से एक है। वह दोनों देशों के बीच पूरकताओं को लेकर बहुत आशावादी थे और उन्होंने यह कहते हुए समापन किया कि यह मोड़ भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच संबंधों में आर्थिक सहयोग में तेजी लाने और पारस्परिक लाभों के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। विदित हो कि दोनों देशों के बीच व्यवसाय संबंधों को और बढ़ाने के लिए श्री अल्बानीज की उपस्थिति में भारतीय उद्योग परिसंघ और ऑस्ट्रेलिया की व्यवसाय परिषद के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) के चार वर्ष के विस्तार पर हस्ताक्षर किए गए। यह साझीदारी दोनों देशों के बीच व्यवसाय संबंधों को और आगे बढ़ाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाएगी।

दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम बना दोस्ती का साक्षी

अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम भारत और आस्ट्रेलिया की दोस्ती के 75 साल का गवाह बना। बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के आखिरी मैच में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बनीस स्टेडियम में मौजूद थे। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग देखी गई। मैच से पहले पीएम मोदी और पीएम एंथनी ने खिलाड़ियों से मुलाकात की। आस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान स्टीव स्मिथ और भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा से हाथ मिलाया। इस मैच के साथ ही भारत के नाम एक वर्ल्ड रिकॉर्ड तब दर्ज हो गया जब दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम में एक साथ सवा लाख से ज्यादा लोगों ने मैच देखा।

स्वच्छ हाइड्रोजन व सौर ऊर्जा पर मिलकर हो रहे काम : मोदी

श्री मोदी ने अक्षय ऊर्जा क्षेत्र को सहयोग के लिए प्रमुख प्राथमिकता वाला क्षेत्र बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देश स्वच्छ हाइड्रोजन और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते के लाभों पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसने दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश के लिए नए अवसर खोले हैं। श्री मोदी ने कहा कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के मंदिरों पर हमलों का मुद्दा ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री के समक्ष उठाया। उन्होंने कहा कि श्री अल्बनीज ने आश्वासन दिया है कि ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और भलाई उनके लिए प्राथमिकता है।

दोनों देशों के संबंध बहुआयामी : एंथनी

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि भारत के साथ ऑस्ट्रेलिया के संबंध बहुआयामी हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय संपर्क ने कई क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि दोनों नेता भारत-ऑस्ट्रेलिया के महत्वाकांक्षी व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते को जल्द से जल्द पूरा करने पर सहमत हुए हैं। इससे पहले विदेश मंत्री डॉक्टर सुब्रमण्यम जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज से भेंट की। उन्होंने कहा कि श्री अल्बनीज की यात्रा से दोनों देशों के बीच संबंध और प्रगाढ़ होंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। पिछले वर्ष दोनों देशों ने आर्थिक सहयोग और व्यापार के लिए मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। 2021-22 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 27 बिलियन डॉलर का था। वर्ष 2035 तक इसके 45 से 50 बिलियन डॉलर तक हो जाने की आशा है।